HelpAge India
(PACS PROGRAMME)

ऐतिहासिक स्थान मण्डला जिले के ग्रामीण इलाके में आज भी खेतों में और अन्य उत्पादकीय मजदूरियों में जुड़कर नयी पीढ़ी को एक समृद्धि तथा शांति के भविष्य का सपना दिखाने में अंतःप्रेरणा दनेवाले वृद्धजनों को इस विवरणिका को हम समर्पित करते है।

सहयोगी संस्था :
नेशनल इन्स्टिटयूट ऑफ वीमेन, चाईल्ड एंड यूथ डेव्हलपमेंट (नागपुर), जि.मंडला

हम आज 20 वीं शताब्दी को पारकर 21 वी शताब्दी के प्रारंभ में पहुँच चुके है। इस अवसर पर हमारे कानों में बढ़ती हुई आबादी का एक विस्फोटनात्मक स्वर प्रतिध्वनि के रूप में सुनाई पड़ता है।

एशिया के दो राष्ट्रों भारत और चीन दुनिया के आबादी के एक बड़े प्रतिशत के बोझ का वहन करते है। बढ़ती हुई आबादी में बुजुर्गो की संख्या एक निर्णायक भाग है। 60 साल के उम्र वाले लोगों का बढ़ती हुई आयु सीमा और जन्म की संख्या में आया हुआ नियंत्रण बुजुर्गो की आबादी में एक बड़े प्रतिशत का वृद्धि का कारण बन गया। चिकित्साशास्त्र का विकास इसका एक अलग कारण है। एक जमाने में मानव समाज के लिए आशंका के रूप में फैली हुई बीमारियों को आधुनिक चिकित्सा के शोध तथा विकास की प्रक्रिया में हमेशा के लिए उन्मूलन किया है। आज के चिकित्सा शास्त्र की देन में शरीर के गुरदा, हृदय–वाल्व और लिवर जैसे आंतरिक अंगों को भी बदलने का ज्ञान शामिल है। इन सब कारणों से मानव राशि की जीवनप्रत्याशा 20 वी शताब्दी के शुरूआत की तुलना में आज प्रशंसनीय है।

बढ़ती हुई बुजुर्गों की जनसंख्या की आर्थिक एवं सामाजिक सुरक्षा एक गंभीर समस्या के रूप में पहले विकसित राष्ट्रों में और बाद में विकासशील राष्ट्रों में नीति निर्माण समिति के सामने आने लगी। आज पाश्चात्य राष्ट्रों में बुजुर्गो के लिये शासन की और निजी स्तर पर विभिन्न योजनायें बुजुर्गो के लिये बनाई गई है। भारत जैसे देश में भी आजादी के बाद इस तरह की नीतियों की शुरूआत 1950 के बाद लागू होने लगी। सामाजिक सुरक्षा का आगम मानवीयता के आधार पर निर्धारित है। भारत में आज बुजुर्गो के लिए विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाए केन्द्र तथा राज्य सरकार की ओर से लागू हो रही है।

ग्रामीण बुजुर्गो की स्थिति– भूत और वर्तमान में

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लाभार्थियों में ज्यादातर शहरी जनता दिखाई जाती है। बुजुर्गो की स्थिति देखते है तो भी इसमें कोई भी परिवर्तन नहीं है। अगर वास्तविकता पर नजर डालते है तो ज्यादातर जनता गांव में रहती है। इसमें बुजुर्गो की आबादी भी शहर के आबादी से चार गुना ज्यादा है। दूसरी बात यह है कि शहर के बुजुर्गो से अपेक्षित ग्रामीण बुजुर्ग परिश्रमशील है। इसका एक उदाहरण – मध्य प्रदेश के सहभागिता इन इलाकों में बहुत ज्यादा है, परन्तु यह आश्चर्य की बात है कि इन लोगों की मेहनत को उत्पादक शक्ति के कुल आकड़ों में व्यक्त रूप में शामिल नहीं किया है।

बुजुर्ग परम्परागत जानकारियों का स्त्रोत माने जाते है। आज के समाज में हम सब जब स्थाई विकास की बात बताते रहते है तब उन्ही परम्परागत जानकारियों को उन बातों के बीच में शामिल करते है। यांत्रिक विकास के इस बढ़ते हुए जमाने में भी वैज्ञानिक समूह के अध्ययन में परम्परागत जानकारियों को महत्व दिया जा रहा है। ग्रामीण जनता के लिए एक जमाने में परम्परागत जानकारी, एक तरह का आजीविका का स्त्रोत था। आज बहुत से कारणों से इस प्रकार की जानकारियां और उनको प्रयोग में लेने के संसाधन बड़े पैमाने में लुप्त होते जा रहे है। इसका असर सबसे ज्यादा बुजुर्गो की आजीविका पर पड़ता है।

परियोजना क्षेत्र के बुजुर्गो के समस्याओं पर एक अवलोकन

हमारे ग्यारह महिने के कार्य के अनुभव के आधार पर निम्नलिखित मुददों को प्राथमिकता देकर पैरवी के लिये लिया जा रहा है।

- कुल क्षेत्र के उत्पादकीय शक्ति के एक अर्थ–पूर्ण भाग होने के बावजूद भी वृद्धजनों के सामाजिक सुरक्षा की बातों पर पंचायत के स्तर पर कोई महत्व नहीं दिया जा रहा है।
- संसाधनों की कमियों की वजह से ग्रामीण आजीविका के स्तर पर काफी गिरावट आ चुकी है। इस कारण से गांव की आबादी का एक हिस्सा स्वयं के जीवन यापन के लिए पलायन कर रहा है। इस हालत में बुजुर्गो को एकांत जीवन गांव में जीना पड़ता है।
- निरक्षरता, संसाधनों की कमी आदि कारणों से गांव के विकास के अलग– अलग पहलुओं में बुजुर्गो को अपनी भागीदारी पंचायत के स्तर पर निभाने की क्षमता नहीं दिखाई जा रही है।

परियोजना कियान्वयन के विभिन्न चरणों में मिले अनुभव

- आधारभूत सर्वे और पी. आर. ए. का कार्य पूरे कार्य क्षेत्र में किया गया।
- वृद्धमित्र और गांव के वृद्धजन मिलकर वृद्ध समिति का गठन किया गया।
- हर एक पांच गांव के संकुल में चयनित वृद्ध समूह के

HelpAge India

का लाभ दिलवाया गया। इसके अलावा 500 से ज्यादा बुजुर्ग हितग्राहियों का प्रस्ताव वृद्धसंघ द्वारा पंचायत में प्रेषित है।

- एक सशक्त वृद्ध संघ के लक्ष्य को ध्यान में रखकर परियोजना क्षेत्र में 20 वृद्ध संघों का क्रियान्वयन नियमित रूप में चालू किया।
- परियोजना के अंतर्गत एक गतिविधि के रूप में गांव के बुजुर्गो की कला, कौशल और परम्परागत जानकारी का दस्तावेज तैयार कर उनके लिए ग्रामीण सतर पर आजीविका के स्त्रोतों का पुर्नजीवन करने का प्रयास भी चालू किया।

नई पद्धतियों और कार्यक्रमों का प्रयोग

- कार्यक्षेत्र में वृद्ध सम्मान समारोह तथा विशेष गतिविधियों का आयोजन।
- ग्राम सभाओं में बुजुर्गो के मुददों विशेष रूप में शामिल करवाने का प्रयास।
- राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के अंर्तगत ज्यादातर बुजुर्गो को भी जोडने का प्रयास।

अंतर्राष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस का आयोजन और उसके द्वारा पंचायत और वृद्ध संघ/समितियों के स्तर पर बैठक तथा

आपस में सहयोग से कार्य करने का प्रोत्साहन दिलाना।

भावी गतिविधियॉ

- स्कूल के बच्चों के साथ गांव के बुजुर्गो की बातचीत और सामाजिक संवेदीकरण प्रक्रिया को आगे बढ़ाना।
- ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष ग्राम सभा का आयोजन करना और ग्राम पंचायत स्तर पर वृद्ध संघ/समिति की सहकारिता बढ़ना।
- संकुल स्तर पर गांव के मुद्दों को एकत्रित करके हर महीने में एक मांग की सूची विकासखण्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को वृद्ध संघ द्वारा प्रेषित करना जिसमें वृद्धों की सामाजिक सुरक्षा की योजनाओं के क्रियान्वयन में आते रहने वाली बाधाओं की जानकारी संलग्न हो।
- संकुल स्तर पर अलग –अलग प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना तथा गांव के बुजुर्गो की आजीविका का स्त्रोतों को पुर्नजीवन कर पंचायत के माध्यम से उन गतिविधियों को आगे बढ़ाने का प्रयास।
- पंचायत स्तर पर वृद्ध संघों को एक प्रभावी समूह जैसे आगे बढ़ाना और वृद्धों की समस्याओं के समाधान ढूढने में एक सशक्त समिति के रूप में वृद्ध संघ का प्रभाव बढाना।
- ग्राम पंचायत स्तरपर पंचायतों, ग्राम विकास समितियों में वृध्दों की अधिकाधिक सहभागिता के लिए प्रयत्न करना।

सफल कहानीयाँ

अनाथ बुजुर्ग को पेंशन का सहारा

श्री नोखे सिंग ठाकुर बिनैका गांव के रहने वाले एक बुजुर्ग है। जाति की श्रेणी में ऊँचे होने पर भी इस वृद्ध का जीवन बहुत दुःखपूर्ण रहा। इनकी रोजी रोटी पड़ोसियों के सहानुभूति पर निर्भर थी। जब बीमार पड़ जाते है तब पड़ोसियों की दया–दवाई गोली के रूप में नोखे सिंग के पास आती थी। जब से बिनैका में वृद्ध संघ का गठन हुआ तब से वृद्ध मित्र और वृद्ध संघ के सदस्यों के नजर नोखे सिंग के जीवन पर पड़ी। एक दिन वृद्ध संघ के बैठक के अवसर पर नोखे सिंग को भी आमंत्रित किया । इस वृद्ध ने स्वयं अपनी कहानी वृद्ध संघ के सामने रखी। नोखे सिंग कई बार वृद्धा अवस्था पेंशन के लिए आवेदन भरा था। लेकिन इनके आवेदन पर कोई भी कार्यवाही नहीं हुई। वृद्ध संघ सरपंच को मिलकर नोखे सिंग की वास्तविक कहानी सुनाई और पुनः उनका आवेदन भरकर दिया। अगस्त 2006 से इस वृद्ध को वृद्धावस्था पेन्शन प्राप्त होने लगी। इसी प्रकार वृद्ध संघ कई वृद्धों के वास्तविक कहानी पंचायत के बैठक में रखकर उनको योजनाओं से जोड़ने का प्रयास कर रहे है।

चार वृद्ध महिलाओं को मिला न्याय

प्रेरणात्मक रीति से काम कर रहे थे वृद्ध एकता समिति का गठन और श्री घनश्याम प्रसाद पटेल जैसे व्यक्तियों के समर्पित सेवा इस संकुल के पूरे गांव में एक अच्छे माहौल को बनाने में सक्रिय योग दान रहा। इन्द्री में रोजगार गारंटी योजना के अंर्तगत भी काफी बुजुर्गो को काम दिलवाने में वृद्ध संघ पंचायत के साथ मिलकर परिश्रम किया। एक दिन विकास खण्ड के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गांव का संदर्शन करते समय सड़क निर्माण के काम पर लगे हुए वृद्धों के बारे में पूछा? जब सरपंच ने वृद्ध एकता समिति के द्वारा वृद्धों को भी रो. गा. योजना के काम के अंर्तगत जुड़ाने के प्रयास की बात को रखा, तब मु. का. पा. अधिकारी ने वृद्ध संघ के सचिव श्री सुमारू जंघेला को व्यक्तिगत रूप से बुलाकर प्रशंसा की। सुमारू जी ने इसी समय गांव की चार महिलाओं को चार महिने से वृ. आ. पेंशन नहीं मिलने की बात भी रखी। मु. का. पा. अधिकारी इन चार महिलाओं को बुलाकर आश्वासन दिया कि चार दिनों के अंदर रूकी हुई पेंशन राशि प्राप्त होगी। अधिकारी द्वारा कहे गये वक्तव्य के अनुसार चौथे दिन से चारों महिलाओं को चार महिने की रूकी हुई पेंशन राशि प्राप्त हुई।

शासकीय सामाजिक सुरक्षा योजनाओं संबंधी जानकारी के लिए संपर्क करे
मुख्य कार्यपालन अधिकारी,जि.प. मंडला, मध्यप्रदेश
फोन नं. 0764–250879, 251463

नॅशनल इन्स्टिटयुट ऑफ वुमन, चाईल्ड ॲण्ड युथ डेव्हलपमेंट (एन आय डब्लु सी आय डी), नागपूर
प्लॉट नं. 14, लेआऊट 4 जयप्रकाशनगर,
नागपूर – 440 025
फोन : 0712 2290521, 2290929
Email : niwcydnagpur@gmail.com

नॅशनल इन्स्टिटयुट ऑफ वुमन, चाईल्ड ॲण्ड युथ डेव्हलपमेंट (एन आय डब्लु सी आय डी), मंडला,
देवधारा, सहस्त्र धारा रोड, हाऊस नं. 16,
नर्मदा अवास कॉलनी, मंडला – 481661
फोन : 07642 252980
Email : niwcydmandla@gmail.com

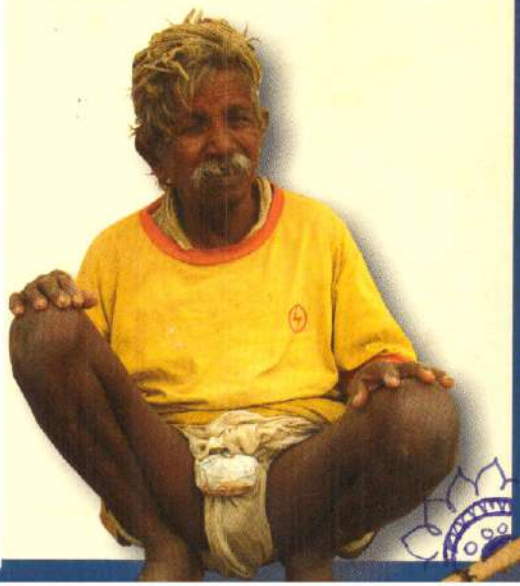

ameya computers call 9225210002